



Bareilly, Sunday,  
18 October 2026

BAREILLY EDITION

Price ₹3.50/-  
Pages 14

# दैनिक जागरण

**inext**

PAGE NO.- 03 : MIDDLE

## घायलों की मदद में दक्ष होंगे पुलिसकर्मी, विशेषज्ञ देंगे ट्रेनिंग

डीआईजी अजय साहनी ने  
की घोषणा, 112 की टीम से  
होगी शुरुआत

[bareilly@inext.co.in](mailto:bareilly@inext.co.in)

**BAREILLY (17 Oct):** सड़क हादसों में घायलों की जान बचाने और उन्हें समय पर प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने के लिए मंडल के सभी जिलों में तैनात पुलिसकर्मियों को ट्रामा वर्सेस रेस्पांड कोर्स का प्रशिक्षण दिया जाएगा. इसकी शुरुआत आपातकालीन सेवा 112 में तैनात पुलिसकर्मियों से होगी. डीआईजी अजय साहनी ने शनिवार को एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में विश्व ट्रामा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में इसकी घोषणा की. उन्होंने मेडिकल कॉलेज की ओर से तैयार ट्रामा रजिस्ट्री एंड एंबुलेंस ऐप 'जीवन रक्षक' भी लांच किया. उन्होंने कहा कि हादसे के बाद गोल्डन ओवर में उपचार मिलने से घायल की जान बचने की संभावना बढ़ जाती है.

### मिलेगा प्राथमिक उपचार

एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज के इमरजेंसी एवं ट्रामा विभाग की ओर से आयोजित ट्रामा वीक के समापन पर डीआईजी अजय साहनी ने कहा



● एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में पुलिसकर्मियों को दिया जाएगा प्रशिक्षण.

### 'जीवन रक्षक' ऐप से मिलेगी एंबुलेंस की जानकारी

डीआईजी ने ट्रामा रजिस्ट्री एंड एंबुलेंस ऐप 'जीवन रक्षक' को महत्वपूर्ण फल बताया. उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक की मदद से घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाने और सड़क हादसों में होने वाली जल्दबंदी कम करने में मदद मिलेगी. एसआरएमएस के डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन आदित्य मूर्ति ने बताया कि फिलहाल परियोजना के तहत ऐप को संस्थान की सभी एंबुलेंस से जोड़ा गया है. जल्द ही इसे बरेली और आसपास के शहरों के लोगों के लिए निशुल्क उपलब्ध कराने की योजना है. एमबीबीएस विद्यार्थियों अमृत पुंडीर और यश ने ऐप की कार्यप्रणाली समझाते हुए बताया कि इसके माध्यम से एंबुलेंस की लोकेशन और उसके संभावित समय की जानकारी मिल सकेगी. प्रशिक्षित चिकित्सकों की सलाह से प्राथमिक उपचार में मदद मिलेगी और मरीज को उपचार देने में आसानी होगी.

कि सड़क हादसों को रोकने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, लेकिन हादसे के बाद घायलों को समय पर उपचार उपलब्ध कराना भी बड़ी चुनौती है. इसके लिए अधिक से अधिक लोगों को प्राथमिक उपचार

का प्रशिक्षण देना जरूरी है. पुलिसकर्मी हादसे के बाद सबसे पहले मौके पर पहुंचते हैं. ऐसे में उन्हें प्रशिक्षित करने से एंबुलेंस और चिकित्सकीय सहायता पहुंचने से पहले घायलों को उपचार देने में आसानी होगी.